कौटिल्य एकेडमी

अनुक्रमांक / Roll No.

परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक यहाँ लिखें।
Candidate should write his/her Roll No. here

कुल प्रश्नों की संख्या : 3+3
Total No. of Questions : 3+3

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 04
No. of Printed Page : 04

M-2021
PAPER-V
DATE : 06-04-2022

समय : 3 : 00 घण्टे
Time : 3 : 00 Hours

पूर्णांक : 200
Total Marks : 200

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :
Instructions of the candidates :

1. प्रत्येक खण्ड में कुल तीन प्रकार के प्रश्न है। सभी प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
2. प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने अंकित है।
3. प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका चयन आपने आवेदन पत्र में किया है। किसी अन्य माध्यम में लिखे गये उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेगा।
4. जहाँ शब्द सीमा दी गई है उसका अवश्य पालन करे।
5. प्रश्न पत्र के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार दें। एक ही प्रश्न के विभिन्न भागों के उत्तर अनिवार्य रूप से एक साथ ही लिखे जायें तथा उनके बीच अन्य प्रश्नों के उत्तर न लिखे जायें।

निर्देश– समी प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं।

प्र.1. इन लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 50 शब्दों में (एक या दो पंक्तियों में) दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 3 (तीन) अंकों का है। **25x 3 = 75**

(1) राजभाषा आयोग का गठन?
(2) प्राणत्व के आधार पर व्यंजनों का वर्गीकरण?
(3) राजभाषा अधिनियम 1963 के प्रावधानों का उल्लेख करें?
(4) पश्चिमी हिन्दी की तीन बोलियों को लिखो?
(5) बोली व विभाषा में अन्तर लिखो?
(6) अच्छे अनुवादक के तीन गुण लिखिए।
(7) विशेषण व विशेष्य में अंतर?
(8) प्रपत्र किसे कहते हैं?
(9) विज्ञापन व विज्ञप्ति में अन्तर बताइए।
(10) ''ग'' वर्ग की नियमावली को लिखो?
(11) काल किसे कहते हैं?
(12) शौरसेनी से विकसित दो भाषाएँ?
(13) मातृभाषा की तीन विशेषताएं?
(14) कंठ्य ध्वनियों को लिखें?
(15) परिनिष्ठ भाषा किसे कहते हैं?
(16 अच्छे संक्षेपण की तीन विशेषताएँ।
(17) सरकारी व अर्द्धसरकारी में तीन अन्तर बताइए।
(18) हिन्दी का प्रथम समाचार पत्र?
(19) खड़ी बोली किसे कहते हैं?
(20) पूर्ण व अर्द्धपूर्ण विराम चिह्न में अन्तर लिखिए।
(21) संज्ञा व सर्वनाम में अंतर?
(22) कारक किसे कहते है?
(23) परसर्ग व विभक्ति में अंतर?
(24) देशज् शब्द सोदाहरण लिखो?
(25) वचन किसे कहते है?

प्र.2. प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है। **2x 5 = 10**

(i) 'मा मुरली मुरलीधर की अधरान धरी अधरान धरौंगी' में कौन–सा अलंकार है, और क्यों?
(ii) तुलसीदास सीदत निसि दिन देखत तुम्हार निठुराई में कौन–सा अलंकार है, क्यों?

प्र.3. (अ)निम्नलिखित का हिन्दी में अंग्रेजी अनुवाद कीजिए – **(20 अंक)**

(i) डरिये नहीं, मानव जन्म कष्टों से परिपूर्ण है।
(ii) मनुष्य योनि में भगवान के अतिरिक्त कोई भी व्यक्ति शरीर और मन के कष्टों से बच नहीं सकता है।
(iii) अवतारों, सन्तों और साधुओं को भी कष्टों की अग्नि परीक्षा से गुजरना पड़ता है
(iv) इस प्रकार मानवता की भलाई के लिए अपने को बलिदान कर देते हैं।
(v) चिन्तित मत हो, ये पृथ्वी के, दुनिया के बंधन थोड़े समय के लिए होते हैं।

KAUTILYA ACADEMY INDORE

प्र.3. (ब) निम्नलिखित का अंग्रेजी से हिन्दी अनुवाद कीजिए – **(15 अंक)**

(i) Independence of thinking is another rare but thoroughly important mode of activity
(ii) It has beet said that "Animals think not at all and some men a little.
(iii) This is a terribly waste ful process. If more people were independent thinkers.
(iv) Soothing syrups with opiates are fed to children because they are sid to cry for them.
(v) Harmless vegetable C remedies" is a magical phrase- perhaps this is why so many take eÛtract of hops and barley.

प्र.4. प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है? **(10x2 = 20)**

(i) es ऊपर बैठा हूँ, में रेखांकित शब्द व्याकरण की दृष्टि से क्या है?
(ii) 'ऐसा आदमी नहीं देखा' में कौन–सा विशेषण है?
(iii) करूणा में कौन–सी संज्ञा है?
(iv) भरपेट में समास?
(v) गाँव–गाँव में समास?
(vi) वज्रदेह का समास विग्रह?
(vii) नयन का संधि विचछेद?
(viii) मतैक्य में संधि?
(ix) जहाँ समुच्चय बोधक अव्यय का प्रयोग किया जाए तो वहाँ किस चिह्न का प्रयोग किया जा सकता है?
(x) शरत् + चन्द्र की संधि बनाओ?

प्र.5. प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है? **(10x2 = 20)**

(i) काठ की हण्डियाँ बार–बार नहीं चढ़ती का अर्थ लिखो?
(ii) खाक छानना का अर्थ?
(iii) आसन व आसन्न का अर्थ?
(iv) घोटक का तद्भव?
(v) बहनोई का तत्सम?
(vi) यमुना के दो पर्यायवाची?
(vii) परिश्रम का विलोम?
(viii) जो असत्य बोलता हो के लिए एक शब्द?
(ix) Bride का हिन्दी पारिभाषिक शब्द?
(x) दोषमुक्त करना का अंग्रेजी पारिभाषिक शब्द?

प्र.6. निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **(20 अंक)**

अनुशासन बाह्म नहीं, भीतरी नियंत्रण हैं। वह भीतर से बाँधता हैं। भीतर से बाँधना धर्म से संभव हैं। धर्म मनुष्य को नैतिकता की ओर ले जाता हैं। वह व्यक्तिगत और सामाजिक व्यवहार के कुछ ऐसे मापदण्ड प्रस्तुत करता हैं, जो हमें उच्च संस्कार दे सकें। "स्व" को "पार'' से पीछे रखने पर ही ये उच्च संस्कार सध सकते हैं। इसके लिए आत्मतोषी और अपरिग्रही होना आवश्यक हैं। आधुनिक शिक्षा हमें आत्मबल नहीं देती। वह सूचना–मात्रा ही देती हैं। साहित्य और कला को हमने शिल्प तक सीमित कर दिया हैं। हमारा अध्ययन वैज्ञानिक हो गया हैं। वैज्ञानिकता का अर्थ हैं विश्लेषणात्मक अध्ययन।

KAUTILYA ACADEMY INDORE

इस चीरा–फाड़ी मे न साहित्य हाथ में पड़ता हैं, न कला, न धर्म। हम परिधि पर ही चक्कर लगाते रहते हैं कि आज का शिक्षित मनुष्य भीतर से अशिक्षित हैं। उसके भीतर एक बड़ा शून्य हैं, जो उसे बराबर कुरेदता रहता हैं और उसके अहं को उकसाता रहता हैं।

i. समाज में धर्म द्वारा अनुशासन किसलिए संभव हैं?
ii. आधुनिक शिक्षित मनुष्य में 'अहं' की उत्पत्ति का मुख्य कारण क्या हैं?
ii. अवतरण में मुद्रित पदबंध से क्या अभिप्रेत हैं?
iv. उच्च संस्कारों को साधने के लिए मनुष्य में क्या आवश्यक हैं?

प्र.7. निम्नलिखित का एक–तिहाई शब्दों में संक्षेपण कीजिए तथा रेखांकित पंक्तियों का भाव–पल्लवन अपने शब्दो में कीजिए। (अंक 10 + 10 = 20)

''कोई भी कवि अपने युग की अवेहलना नहीं कर सकता। उसकी रचना में तत्कालीन सामाजिक, राजनीतिक, धार्मि की झलक आये बिना नहीं रहती। **काव्यकार चाहे किसी भी युग का कथानक ले, परन्तु वह अपने युग की विचारधाराओं मान्यताओं और धारणाओं से, पूर्णतः प्रभावित होता है।** अतः उसके काव्य में उनका मुखरित हो उठना स्वाभाविक हैं। मैथिलीशरण गुप्त तो अपने युग के वैतालिक कहलाते हैं, इसलिए उनकी कृतियों में आधुनिक जन–जीवन की झलक मिलना नितान्त आवश्यक है। गप्तजी की प्रत्येक कृति में हम युग की प्रमुख–प्रमुख प्रवृत्तियों एवं मनोवृत्तियों का उल्लेख देख सकते हैं। 'भारत–भारती' ही को लें, जिसने इन्हें राष्ट्रकवि बना दिया। गुप्तजी की प्रारम्भिक रचनाओं में हिन्दू राष्ट्रीयता के दर्शन होते हैं, किन्तु धीरे–धीरे वे भारतीय राष्ट्रीयता के समर्थक बन गए, जाति और धर्मगत भेद सब तिरोहित हो गये। भारत के निवासी, चाहे वे सिक्ख हों, चाहे ईसाई, मुसलमान हों, चाहे जैन, कोई हों, सब भारत माँ के लाल हैं और बढ़े और उनका वही प्रेम मानव प्रेम में परिवर्तित हो गया। उनके काव्य में विश्व की मंगल कामना छिपी है। वे राष्ट्रीयता से मानवता के पुजारी बन गए।